

भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *351
12.08.2026 को उत्तर देने के लिए

सांख्यिकीय प्रणाली की व्यापक समीक्षा

*351. श्री कंवर सिंह तंवर:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई), औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) सहित प्रमुख समष्टि आर्थिक संकेतकों के आधार वर्षों और पद्धतियों को संशोधित करने के लिए देश की सांख्यिकीय प्रणाली की व्यापक समीक्षा की है ताकि उन्हें अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना और उपभोग और उत्पादन के उभरते पैटर्न के अनुरूप बनाया जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय पद्धतियों, आंकड़ों के नवीन स्रोतों और आकलन तकनीकों को अपनाने सहित संशोधित सांख्यिकीय शृंखला में किए गए प्रमुख पद्धतिगत सुधारों का ब्यौरा क्या है और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण में उनसे क्या लाभ होने की संभावना है;

(ग) क्या सरकारी आंकड़ों के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी, प्रशासनिक डाटाबेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अधिक से अधिक उपयोग के माध्यम से राष्ट्रीय सांख्यिकीय प्रणाली की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा सरकारी सांख्यिकीय आंकड़ों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करते हुए उनकी पारदर्शिता, नियमितता और सार्वजनिक उपलब्धता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

श्री कंवर सिंह तंवर द्वारा “सांख्यिकीय प्रणाली की व्यापक समीक्षा” के संबंध में पूछे गए दिनांक 12.08.2026 के लोकसभा तारांकित प्रश्न सं. *351 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): जी,हाँ। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) सांख्यिकीय रूपरेखा की आवधिक पद्धतिगत समीक्षा करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आधिकारिक आंकड़े अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना का प्रतिनिधित्व करते रहें और उभरती हुई डेटा आवश्यकताओं को पूरा करते रहें। इस संबंध में, एमओएसपीआई ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार वर्ष के संशोधन के लिए एक व्यापक कार्य किया है ताकि उन्हें अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना और उपभोग और उत्पादन के उभरते पैटर्न के अनुरूप किया जा सके। जीडीपी और आईआईपी का आधार वर्ष 2011-12 से संशोधित करके 2022-23 कर दिया गया है, और सीपीआई का आधार वर्ष 2012 से संशोधित करके 2024 कर दिया गया है। संशोधित सीपीआई श्रृंखला 12 फरवरी, 2026 को जारी की गई, इसके बाद संशोधित जीडीपी श्रृंखला 27 फरवरी, 2026 को और संशोधित आईआईपी श्रृंखला 1 जून, 2026 को जारी की गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) का आधार वर्ष भी उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा 2011-12 से संशोधित करके 2022-23 कर दिया गया है और संशोधित डब्ल्यूपीआई श्रृंखला 15 जून, 2026 को जारी की गई थी, जिसने पिछली श्रृंखला का स्थान ले लिया है।

(ख): चारों संशोधित श्रृंखलाओं में किए गए कार्यप्रणालीगत सुधारों का सारांश नीचे संकेतक-वार दिया गया है।

सकल घरेलू उत्पाद (आधार वर्ष 2022-23): नए प्रशासनिक और डिजिटल डेटा का उपयोग करते हुए नई श्रृंखला में कई कार्यप्रणाली और डेटा संबंधी सुधार किए गए हैं। प्रमुख सुधारों में बहु-कार्यकलाप उद्यमों में कार्यकलापों को अलग करके निजी निगम संस्थागत क्षेत्र का बेहतर संकलन, वार्षिक सर्वेक्षण डेटा का उपयोग करके अनिगमित क्षेत्र का बेहतर कवरेज, कृषि और विनिर्माण में दोहरी अपस्फीति को अपनाना और अन्य क्षेत्रों के लिए मात्रा/सिंगल एक्सट्रपलेशन, आनुपातिक विधि के स्थान पर आनुपातिक डेंटन बेंचमार्किंग विधि को अपनाना, एमओएसपीआई द्वारा विभिन्न संस्थानों के साथ किए गए सर्वेक्षणों और कार्यप्रणाली संबंधी अध्ययनों के आधार पर अद्यतन दरों और अनुपातों का प्रयोग, तिमाही राष्ट्रीय लेखों के लिए जीएसटी और अन्य प्रशासनिक डाटा का व्यापक उपयोग, उद्देश्य के अनुसार व्यक्तिगत उपभोग का वर्गीकरण (सीओआईसीओपी) 2018 वर्गीकरण और सर्वेक्षण एवं प्रशासनिक डाटा के माध्यम से निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) अनुमान में सुधार, और आपूर्ति और उपयोग तालिका रूपरेखा के साथ वार्षिक संकलन को एकीकृत करके उत्पादन और व्यय पक्ष के वर्तमान मूल्य पर आधारित अनुमानों के बीच विसंगतियों को दूर करना शामिल है। राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी का संकलन यथासंभव राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एसएनए) के अनुसार किया जाता है, जो संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग द्वारा अनुमोदित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत संस्तुतियों का एक समूह है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी वर्ष 2001 से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विशेष डेटा प्रसार (एसडीडीएस) मानकों का भी पालन करती है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) (आधार वर्ष 2024): संशोधित सीपीआई श्रृंखला में वर्तमान उपभोग पैटर्न को बेहतर ढंग से दर्शाने के लिए महत्वपूर्ण कार्यप्रणालीगत सुधार किए गए हैं। सीपीआई 2024 श्रृंखला की मद सूची और अधिमान अरेख को नवीनतम घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस), 2023-24 के परिणामों के आधार पर संशोधित किया गया है ताकि बदलते उपभोग पैटर्न को बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। संशोधित श्रृंखला में मूल्य संग्रहण और संकलन के लिए टैबलेट-आधारित कंप्यूटर सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) प्रौद्योगिकी का उपयोग, मूल्य संग्रहण के लिए ऑनलाइन

बाजारों और प्रशासनिक डेटा स्रोतों को शामिल करना, संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य के अनुसार व्यक्तिगत उपभोग के वर्गीकरण (सीओआईसीओपी) 2018 को अपनाना और संकलन पद्धति में परिष्करण भी शामिल है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) (आधार वर्ष 2022-23): संशोधित आईआईपी श्रृंखला में कार्यप्रणाली संबंधी सुधार शामिल हैं, जिनमें अद्यतन मद बास्केट और अधिमान, कारखानों का अद्यतन पैनल, मौजूदा दायरे में गैस आपूर्ति, जल आपूर्ति, सीवरेज और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे नए कार्यकलापों को शामिल करके विस्तारित कवरेज, कारखाने के प्रतिस्थापन का प्रावधान और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से प्राप्त डेटा के लिए अतिरिक्त औद्योगिक कार्यकलापों को शामिल करके सूचकांक के संकलन हेतु प्रशासनिक डेटा का अधिक उपयोग शामिल है।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) (आधार वर्ष 2022-23): संशोधित डब्ल्यूपीआई श्रृंखला में सूचकांक की प्रतिनिधित्व क्षमता और मजबूती बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यप्रणालीगत सुधार किए गए हैं। संशोधित श्रृंखला में मदों की संख्या 697 से बढ़ाकर 957 कर दी गई है, निवल व्यापार मूल्य के स्थान पर सकल उत्पाद मूल्य (जीवीओ) का उपयोग करके अधिमान अरेख को अद्यतन किया गया है, और सौर, पवन और नाभिकीय बिजली जैसे नए ऊर्जा स्रोतों को शामिल किया गया है। बेहतर तालमेल के लिए कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस को 'प्राथमिक सामग्री' समूह से 'ईंधन एवं विद्युत' समूह में स्थानांतरित करके वर्गीकरण को पुनर्गठित किया गया है। संशोधित श्रृंखला में संशोधित राष्ट्रीय लेखा (आधार वर्ष 2022-23) से प्राप्त जीवीओ अनुमानों का उपयोग किया गया है, और आवश्यकतानुसार प्रशासनिक मंत्रालयों/एजेंसियों और वार्षिक औद्योगिक सर्वेक्षण (एसआई) जैसे सर्वेक्षण स्रोतों से प्राप्त डेटा को भी शामिल किया गया है। इसमें प्राथमिक/मद सूचकांकों के संकलन के लिए श्रृंखला-आधारित जेवन्स पद्धति का उपयोग करते हुए अल्पकालिक सूत्रीकरण को अपनाया गया है। प्रतिक्रिया न मिलने या डेटा उपलब्ध न होने की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुशंसित पद्धति, लक्षित माध्य अनुमान विधि को अपनाया गया है। इन पद्धतिगत सुधारों से सूचकांक की सटीकता, सुदृढ़ता और प्रतिनिधित्व क्षमता में वृद्धि होने की आशा है, जिससे साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और आर्थिक विश्लेषण के लिए अधिक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त होंगे।

कुल मिलाकर, जीडीपी, सीपीआई, आईआईपी और डब्ल्यूपीआई में किए गए ये कार्यप्रणालीगत सुधार अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम पद्धतियों के अनुरूप हैं और इनसे संबंधित सूचकांकों की सटीकता, सुदृढ़ता और प्रतिनिधित्व में वृद्धि होने की आशा है, जिससे साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और आर्थिक विश्लेषण के लिए अधिक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त होंगे।

(ग): जी हाँ। एमओएसपीआई आधिकारिक आंकड़ों की दक्षता, गुणवत्ता और समयबद्धता में सुधार के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों, प्रशासनिक डेटाबेस और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ कर रहा है। इस प्रयास के अंतर्गत, अंतर्निहित सत्यापन जाँचों वाले हैंड-हैल्ड से युक्त हस्तनिर्मित उपकरणों का उपयोग करके सर्वेक्षणों में डेटा संग्रहण हेतु कंप्यूटर सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) को अपनाया गया है। सर्वेक्षण कार्यों को केंद्रीकृत सर्वरों, वास्तविक-समय निगरानी डैशबोर्डों, सर्वेक्षण किए गए घरों की ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) टैगिंग और डेटा के सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण के माध्यम से सुगम बनाया जाता है। जिनमें प्रतिदर्श चयन, क्षेत्र निगरानी, सर्वेक्षण प्रशासन, सत्यापन और डेटा प्रसंस्करण सर्वेक्षण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों सहित को स्वचालित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रतिदर्श रूपरेखा तैयार करने और सर्वेक्षण प्रतिदर्शों के चयन के लिए प्रशासनिक डेटासेट को प्रतिदर्श सर्वेक्षणों के साथ तेजी से एकीकृत किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, वार्षिक अनिगमित सेवा क्षेत्र उद्यम सर्वेक्षण (एसआईएसएसई) के लिए गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) डेटाबेस को प्रतिदर्शकरण रूपरेखा के रूप में उपयोग किया जाता

है, जबकि वार्षिक अनिगमित क्षेत्र उद्यम सर्वेक्षण (एसयूएसई) के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के लिए जनगणना 2011 की ग्राम निर्देशिका का उपयोग किया जाता है। वार्षिक औद्योगिक सर्वेक्षण (एसआई) अपनी सर्वेक्षण रूपरेखा को तैयार करने के लिए कारखाने के मुख्य निरीक्षक और अन्य वैधानिक पंजीकरण प्राधिकरणों द्वारा रखे गए प्रशासनिक अभिलेखों का उपयोग करता है। इसी प्रकार, निजी कॉरपोरेट क्षेत्र के पूंजीगत व्यय निवेश इरादों के भविष्योन्मुखी सर्वेक्षण के लिए सर्वेक्षण ढांचा तैयार करने हेतु कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के डेटाबेस का उपयोग किया जाता है।

एमओएसपीआई ने सरकारी सांख्यिकी के प्रसार के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/ मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) के उपयोग हेतु मंत्रालय में डेटा नवाचार लैब की स्थापना की है। डेटा नवाचार लैब के लिए दिशानिर्देश जुलाई 2024 में औपचारिक रूप से अधिसूचित किए गए। सरकारी सांख्यिकी के क्षेत्र में 12 उपयोग मामलों की पहचान की गई थी, जिनमें से 7 वर्तमान में उपयोगकर्ता मैनुअल के साथ सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध हैं।

(घ) आधिकारिक आंकड़ों की पारदर्शिता, नियमितता और सार्वजनिक उपलब्धता को बढ़ाने के लिए, एमओएसपीआई ने कई पहलें शुरू की हैं। इसी उद्देश्य से, एमओएसपीआई की वेबसाइट पर एक अग्रिम प्रकाशन कैलेंडर (एआरसी) प्रकाशित किया जाता है, जिसमें प्रमुख सांख्यिकीय प्रकाशनों के प्रकाशन का कार्यक्रम दर्शाया जाता है, जिससे प्रसार में पारदर्शिता और पूर्वानुमान को बढ़ावा मिलता है। इसके अतिरिक्त, ई-सांख्यिकी पोर्टल आधिकारिक आंकड़ों के प्रसार के लिए एक एकल मंच के रूप में कार्य करता है और वर्तमान में इसमें 29 सांख्यिकी उत्पाद, 913 डेटासेट और 137 मिलियन से अधिक रिकॉर्ड उपलब्ध हैं, जो एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस (एपीआई), डेटा विज़ुअलाइज़ेशन और मेटाडेटा द्वारा सहायता प्राप्त हैं। माइक्रोडेटा पोर्टल को भी इसी तरह से नया रूप दिया गया है ताकि 189 से अधिक सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों के अनाम इकाई-स्तरीय डेटा तक पहुंच प्रदान की जा सके। मंत्रालय ने एआई-सक्षम सुविधाओं और इंटरैक्टिव डैशबोर्ड के साथ अपनी वेबसाइट का आधुनिकीकरण भी किया है और आधिकारिक आंकड़ों तक आसान पहुंच के लिए जीओआईस्टैट मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय की वेबसाइट के माध्यम से रिपोर्ट, बुलेटिन, फैक्टशीट और इकाई-स्तरीय डेटा प्रसारित किया जाता है। आधिकारिक आँकड़े समाचार पत्रों, टेलीविजन, रेडियो, डिजिटल और सोशल मीडिया, संसद टीवी पर पॉडकास्ट, प्रदर्शनियों, माईगोव के सहयोग और व्याख्यात्मक वीडियो जैसे विभिन्न संचार माध्यमों के माध्यम से भी प्रसारित किए जाते हैं।

मंत्रालय ने आधिकारिक आंकड़ों में गुणवत्ता आश्वासन को सुदृढ़ करने के लिए संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन ढांचा (यूएन एनक्यूएएफ), 2019 पर आधारित सांख्यिकीय गुणवत्ता मूल्यांकन रूपरेखा (एसक्यूएएफ) भी विकसित की है। एसक्यूएएफ संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक सांख्यिकी के मूलभूत सिद्धांतों (यूएनएफपीओएस) के अनुरूप आधिकारिक सांख्यिकीय उत्पादन के सभी पहलुओं को कवर करने वाली एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करता है, साथ ही अधिक दक्षता, विश्वसनीयता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है।
